सुविचार
गलत तरीकों से सफल होने से कई गुना बेहतर है,
सही तरीके अपनाकर असफ़ल हो जाना।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-10 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 15 अप्रैल 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

अंबेडकर जयंती के दौरान हुआ दो महापुरुषों का अपमान, समाज आज भी मानसिक गुलाम

रायसेन/ उदयपुरा। ग्राम पंचायत किर्गी कला तहसील उदयपुरा जिला रायसेन मैं अंबेडकर जयंती के दौरान हुआ दो महापुरुषों का अपमान महात्मा गांधी जी के फोटो के ऊपर डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी का छाया चित्र चिपकाकर मनाई गई अंबेडकर जयंती फोटो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि महात्मा गांधी जी के फोटो के ऊपर फोटो चपकाई गई है ग्राम पंचायत किर्गी कला में सरपंच सचिव के पास इतना पैसा नहीं कि वह बाबा साहेब का फोटो बनवा कर अंबेडकर भवन में लगा सकें तथा जयंती जैसे कार्यक्रमों में उसका उपयोग कर सकें महात्मा गांधी जी के फोटो पर फोटो चिपकाकर जयंती मनाना एक निंदनीय कृत्य है इस प्रकार का कृत्य हमारे महापुरुषों का अपमान होना दर्शाता है ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव द्वारा सरकार के दबाव के कारण जयंती कार्यक्रम किया तो गया लेकिन हर्षोल्लास से नहीं क्योंकि जब हम कोई महापुरुष का जन्म उत्सव मनाते हैं तो हमें वह हर्षोल्लास से मनाना चाहिए लेकिन ग्राम पंचायत किरगी कला में ऐसा नहीं हुआ जयंती कार्यक्रम में उपस्थित लोग भगवत सिंह धानक सरपंच परसराम धानक सचिव संजय रघुवंशी सहायक सचिव व ग्राम के कुछ लोग उपस्थित रहे।

शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय सम्मान की उठी मांग

मनीराम अहिरवार संघर्ष समिति चीचली के तत्वावधान में बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर जन्मोत्सव सम्पन

युवा प्रदेश नेटवर्क

चीचली। जिला नरसिंहपुर बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 131 वीं जयंती के अवसर पर अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार संघर्ष समिति चीचली के तत्वावधान में चीचली संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मंदिर स्थल पर शहीद वीर मनीराम जी के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया और परिजनों की उपस्थिति में मनाई गई। सर्वप्रथम भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। जिसमें जीवनलाल अहिरवार, चन्दभान खेमरे, भूरेलाल अहिरवार, रमेश अहिरवार, मदनलाल अहिरवार, अनिल पूर्वी, हेमराज अहिरवार, भरत अहिरवार, अशोक अहिरवार, बबलू अहिरवार, अभिषेक अहिरवार, गनपत अहिरवार, भूरेलाल वंशकार, नीरज खेमरे, रविराज मेहरा, कौशल अहिरवार चीचली के अनेक वीर मनीराम अहिरवार जी के परिजन एवं संत रविदास मंदिर समिति के सम्मानित लोगों द्वारा बाबा साहब डॉ अम्बेडकर जी को फूल माला अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नारे लगाये गये। चीचली के अनुसूचित जाति के समाजसेवी चन्दभान खेमरे और भूरेलाल अहिरवार द्वारा शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के परिवार के वरिष्ठ नागरिक श्री जीवनलाल अहिरवार का स्वागत व सम्मान किया गया।

सभी सामाजिक नागरिकों और अनुसूचित जाति के सामाजिक भाईयों ने इस पावन अवसर पर संकल्प लिया कि हमारे देश और समाज के गौरव वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने के हम सभी मांग करते है। तथा संकल्प लिया गया कि आजादी के स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त कर गांव से खदेड़ने वाले अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को आज तक कोई सम्मान नहीं दिया जो कि हमारी अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों की उपेक्षा की गई है। सरकार से मांग की है कि चीचली वीर मनीराम अहिरवार जी के कारण ही शहीदों की नगरी चीचली के नाम और कुर्बानी के नाम से जानी जाती है। ऐसे महान विभूति अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार हमारे देश और समाज को गौरवान्वित किया है। सभी लोगों के द्वारा बाबा साहब को नमन किया गया।

भड़काऊ संदेशों को मोबाईल या कम्प्यूटर से भेजना कब अपराध होगा जानिए/IT Act, 2000....।

वर्तमान समय में हर व्यक्ति मोबाईल सेल फोन, कम्प्यूटर, टेबलेट, लैपटॉप आदि का उपयोग कर रहे हैं बहुत सी सोशल साइट जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम,ट्विटर आदि पर एक्टिविट रहते हैं और वह बहुत से आक्रामक(भड़काऊ) संदेश अपनी सोशल आईडी से ग्रुपों या सोशल साइट पर शेयर करते हैं लेकिन वह यह नहीं जानते की ऐसे संदेशों को सार्वजनिक रूप से सोशल साइट पर डालना या भेजना उनको जेल भेज सकता है पढ़िए।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 66 (क) की परिभाषा-?

कोई भी व्यक्ति जानबूझकर कम्प्यूटर साधन या अन्य किसी इलैक्ट्रोनिक सूचना के साधन द्वारा अत्यधिक आक्रामक या धमकाने वाली सूचना भेजेगा या कोई झूठी सूचना जानते हुए कि उस सूचना द्वारा किसी प्रकार की क्षति, असुविधा, खतरा, रुकावट, अपमान,आपराधिकअभित्रास, शत्रुता, घृणा या भेदभाव फैलाने के प्रयोजन के लिए लागातार संदेश,सूचना भेजता है, वह व्यक्ति अधिनियम की धारा 66(क) के अंतर्गत दोषी होगा।

विशेष नोट- श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ,2015 मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया कि यह धारा तब तक प्रभावी नहीं होगी जब तक भारतीय दण्ड संहिता का अपराध का समावेश नहीं होगा अर्थात मानहानि, गालीगलौज वाले संदेश, धमकी वाले संदेश का होना। क्योंकि वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रत्येक नागरिकों को प्राप्त है वह अपनी बातों जो सोशल मीडिया पर शेयर कर सकते हैं लेकिन आपराधिक उद्देश्य के लिए नहीं।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 66(क) के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान-

यह अपराध समझोता योग्य है उसी न्यायालय द्वारा जहाँ अपराध का विचारण है एवं यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध हैं। अधिनियम की धारा 78 के अनुसार अपराध का इन्वेस्टिगेशन करने की शक्ति निरीक्षक(इंस्पेक्टर) की नीचे की पक्ति का पुलिस अधिकारी नहीं करेगा। सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास और जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

अगर आवारा कुत्तों किसी व्यक्ति को काट ले तो इसका जिम्मेदार कौन होगा जानिए/Leagl General Knowledge....।

जब किसी व्यक्ति को कोई पालतू कुत्ता काटता है तब उस कुत्ते या कोई भी जानवर का मालिक उसका जिम्मेदार होगा लेकिन अगर किसी व्यक्ति को गाली का आवारा कुत्ता काट लेता है तब इसका जिम्मेदार कौन होगा।

जयपुर(राजस्थान) उपभोक्ता फोरम का एक महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार: 7 अक्टूबर 2015 में टाइम्स न्यूज नेटवर्क के अनुसार बताया गया था की आवारा कुत्ते के काटने से बच्चे की मौत पर जयपुर नगर निगम पर दस लाख का जुर्माना लगाया गया था।

क्या था मामला- पीड़ित परिवार टोक रोड के सूर्य नगर इलाके में रहता है, उनके छह साल के बेटे बिट्टू पर चार आवारा कुत्तों ने उस वक्त हमला कर दिया जब वह गली में खेल रहा था। परिवार के व्यक्ति ने इसके लिए नगर निगम को दोषी ठहराया और कोर्ट में प्रतिकर प्राप्त करने के लिए याचिका दाखिल की, सुनवाई के दौरान नगर निगम में अपने पक्ष में कहा कि वह नागरिकों से आवारा कुत्तों को पकड़े का कोई टेक्स नहीं लेता है एवं ऐसी दलील देकर नगर निगम पीछे हट गया। इस मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने कहा कि यह जरूरी हैं कि नगर निगम, पालिका, परिषद आवारा जानवरों को पकड़ने के लिए कोई टैक्स नहीं लेता है लेकिन वह मकान टैक्स, रोड टैक्स, मंडी टैक्स, बाजार टैक्स, सीवेज टैक्स आदि जरूर वसूलता हैं। लिहाजा नगर निगम, पालिका परिषद का यह दायित्व है कि वह स्थानीय लोगो की सुरक्षा का ध्यान रखे एवं वार्डो को स्वच्छ रखने और प्रकाश की उचित व्यवस्था करने के साथ ही अपने नागरिकों को सुरक्षित माहौल भी उपलब्ध कराए। अतः इसी तर्ज पर न्यायालय ने जयपुर नगर निगम पर आवारा कुत्ते के काटने की मौत और दस लाख का हर्जाना लगाया था। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि आवारा कुत्तों से नागरिकों सुरक्षा प्रदान करवाना स्थानीय नगर नियम, पालिका, परिषद या पंचायत का होता है एवं इनकी जिम्मेदारी होती है कि वह नागरिकों को सुरक्षित रखे।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अतरसिंह भारतीय हुए सम्मानित

रायसेन/बरेली। भारतीय संविधान के सूत्रधार, समता मूलक समाज के पक्षधर, बोधिसत्व, परमपूज्य बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी 131 वीं जयंती रायसेन जिले के कस्बा बरेली में हजारों लोगों के साथ चल समारोह निकाला गया जोकि नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए डॉ भीमराव अम्बेडकर हॉस्टल प्रांगण में सभा स्थल पर पहुंचा। कार्यक्रम माननीय डॉ प्रभुराम चौधरी जी, मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश, क्षेत्रीय विधायक माननीय देवेंद्र पटेल जी, हेमंत नरवरिया, रमेश बामने जी इटारसी, पूर्व विधायक रामकिशन पटेल आदि के मुख्यतिथ्य में डॉ अम्बेडकर मिशन बरेली द्वारा श्री अमान सिंह अहिरवार (प्राचार्य) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री माननीय डॉ प्रभुराम चौधरी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कर कमलों से विभा फाउंडेशन बरेली द्वारा अतरसिंह भारतीय, रमन बामने और चंदनसिंह मांडरे को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शील्ड भेंट कर पुरुष्कृत किया गया। ज्ञातव्य हो कि अतरसिंह भारतीय जनता में जमीनी स्तर पर पिछले कई सालों से वंचित वर्ग के लिए न्याय, समानता, बंधुत्व, भाईचारा, संवैधानिक अधिकार, अनेक प्रकार से मदद के लिए मोबिलाईजेशन हेतु सतत प्रयासरत हैं। इसके अलावा वंचित वर्ग के लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में अहम भूमिका अदा करने में उम्दा दिलचस्पी रखते हैं। विभा फाउंडेशन बरेली की ओर से एस एस बाम्होर्या, जी एल अहिरवार, हेमंत चौधरी, माननीय मंत्री एवं विधायक महोदय ने अतरसिंह भारतीय के उज्वल भविष्य के लिए कामनाएं व्यक्त की है।

अतिक्रमण से पटा पूरा शहर सुर्खियों में आने नपा. ने हटाया मेन रोड का अतिक्रमण फिर सज गई सड़कों पर वही दुकाने

अनूपपुर। प्रशासनिक लापरवाही एवं व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते अनूपपुर जिला मुख्यालय का शहर पूरी तरह से अतिक्रमण से पटा हुआ है।काफी शिकवा शिकायत के बाद सीएम हेल्पलाइन के निर्देश से नगरपालिका अनूपपुर ने सुर्खियों में आने के लिए मात्र 1 दिन मेन रोड का अतिक्रमण हटाकर चुप्पी साध ली है।परिणाम यह है फिर से वही सब दुकानें सड़कों के दोनों तरफ प्रतिस्पर्धा को लेकर दुकानों से बाहर निकल कर सड़कों पर सज गई है लेकिन कोई देखने वाला नजर नहीं आ रहा है।बाहर से आने जाने वाले लोगों की नजर में जिला मुख्यालय का यह शहर लोगों को पसंद नहीं आ रहा।एक तो मास्टर प्लान के अनुसार आज तक शहर की बसाहट नहीं हो पाई और फिर व्यवसायिक एवं प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है कि लोग अपने शहर को सुव्यवस्थित नहीं रहने देना चाहते। व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा में व्यापारी पूरी तरह से बेशर्म हो गए हैं उन्हें शासन प्रशासन का कोई डर नहीं एवं शहर की इज्जत भी उन्हें प्यारी नहीं।अतिक्रमण हटाते समय दुकानें समेट लेंगे और फिर वह जानते हैं अतिक्रमण हटाने वाला अमला अब दोबारा नहीं आने वाला फिर वही व्यवसायिक अपनी दुकानों को पूरी तरह सड़कों पर नालियों पर सजा लेते हैं।नगर पालिका प्रशासक के रूप में कलेक्टर विराजमान हैं जिनके हाथों में पूरे जिले की कमान है लेकिन इनका डर भी लोगों को नहीं है।नगर पालिका, राजस्व अमला सभी चुप्पी साध लेते हैं पुलिस प्रशासन भी जब अभियान चलता है तो इन अतिक्रमण अमला के साथ नजर आते हैं उसके बाद उनको भी कोई लेना देना नहीं।देखा जाता है कि साप्ताहिक बाजार में जाम की स्थिति सड़कों पर लग जाती है लेकिन कोई उन्हें हटाने की हिम्मत नहीं जुटा पाता।जिला मुख्यालय का शहर जब जिले में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों के रहते अतिक्रमण की चपेट में है तो पूरे जिले की कल्पना की जा सकती है।नगर पालिका क्षेत्र में कुछ मार्गों पर चौड़ी सड़कें बना दी गई पैदल चलने वालों के लिए अलग से नाली के ऊपर मार्ग बना दिया गया लेकिन वह नाली भी पूरी तरह से अतिक्रमण की चपेट में आ गई। धन्य है जिले की व्यवस्था दोषी दोनों हैं चाहे प्रशासन हो या व्यवसायिक।आवश्यकता है नगर के लोगों को जागरूक होने की एवं जिला प्रशासन को जागरूक होने की।पर्यटन स्थल अमरकंटक का मुख्य द्वार अनूपपुर हैं यहां देश विदेश से पर्यटक अमरकंटक घूमने आते हैं उनके मन मस्तिष्क में अनूपपुर को लेकर कोई अच्छी सोच नहीं जाती।इस दिशा में जिला प्रशासन को विचार करना चाहिए।

पिपरिया जिला नर्मदापुरम के तत्वधान में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की 131 वी जन्म उत्सव जयंती मनाई गई

आर.मांडले

पिपरिया/होशंगाबाद। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद नई दिल्ली की इकाई शाखा पिपरिया जिला नर्मदापुरम के तत्वधान में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की 131 वी जन्म उत्सव जयंती मनाई गई मंगलवारा चौराहा पिपरिया में जिसमें समस्त सामाजिक मजदूर वर्ग और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता लोग उपस्थित हुए जिला अध्यक्ष आर.मांडले राष्ट्रीय

अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद ने बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और बाबा साहब की कीर्ति का उद्बोधन दिया, और मजदूरों को अपने हक अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी श्री राजू ठेकेदार जिला अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ ने बाबा साहब की मूर्ति स्थापित करने की बात रखी,करोड़ी लाल गोलिया जी, नर्मदा प्रसाद अहिरवार जी सीएल बुद्ध जी ,सियाराम ठाकरे महेंद्र अहिरवार,साकेत सोनी जी, योगेश साहू ,सतीश अहिरवार,बाबूलाल अहिरवार, पुरुषोत्तम डॉगौर सबने अपना अपना उद्बोधन बाबा साहब के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बाप बाबा साहब का जन्म उत्सव बड़े धूमधाम हर्ष उल्लास से मनाया,सैकड़ों की संख्या में सामाजिक नागरिक उपस्थित रहे।

मंडी अनुज्ञा व जीएसटी ई-वे बिल बचाने रचा गया खेल, मंडी प्रशासन पर लगा प्रश्नचिन्ह

कोल्डस्टोरेज में फर्जी किसानो के नाम पर जमा हुआ महुआ, विक्रेता की छिपाई गई पहचान

अनूपपुर। जिले में इन दिनों वनोपज महुआफूल ग्रामीणों के अतिरिक्त आय का जरिया बना हुआ है। जहां वन व ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीण सुबह से ही महुआ फूल एकत्रित कर बाजार में व्यापारियों को बेच रहे है। जिले में प्रत्येक वर्ष महुआफूल का लगभग 2 लाख क्विंटल से अधिक का उत्पादन होता है। जहां जिले में संचालित दो कोल्ड स्टोरेज में 1 लाख 20 हजार क्विंटल के आसपास महुआफूल भंडारण होने तथा शेष महुआ ट्रको के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लिये अवैध तरीके से परिवहन कर दिया जाता है। इतना ही नही कोल्डस्टोरेज के संचालको द्वारा फर्जी किसानों के नाम से महुआफूल का अवैध भंडारण कराया गया है। जिसके कारण शासन को मंडी अनुज्ञा व जीएसटी की चोरी करते हुये करोड़ो रूपयें की राजस्व क्षति पहुंचाई जा रही है। आंकड़ों के अनुसार शहडोल संभाग में संचालित 6 कोल्डस्टोरेज के संचालको द्वारा इस खेल को अंजाम देते हुये मंडी अनुज्ञा, जीएसटी ई–वे बिल की लगभग 20

करोड़ रूपये की क्षति पहुंचाई जा रही है।

शीतगृह व कोल्ड स्टोर में आयकर की चोरी

जिले में संचालित कृष्णा कोल्ड स्टोरेज मेडियारास व एस.के. शीतगृह अनूपपुर के संचालको द्वारा वनोपज महुआफूल को किसानो के नाम पर फर्जी तरके से भंडारण कराकर अवैध करोबार करते हुये मंडी अनुज्ञा, जीएसटी व आयकर की चोरी करते हुये शासन को लगभग 7 करोड़ के आसपास की प्रत्येक सीजन क्षति पहुंचाई जा रही है। जिसमें कोल्डस्टोरेज के संचालक और कृषि उपज मंडी के अधिकारियों की मिलीभगत की बाते सामने आ रही है। जिसके कारण शासन को करोड़ो का नुकसान उठाना पड़ रहा है। लेकिन पूरे मामले में मंडी प्रशासन शिकायतों के बाद भी चुप्पी साधे हुये है। जहां कोल्डस्टोरेज के संचालक और मंडी प्रशासन द्वारा म.प्र. कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (2) को गलत ढंग से परिभाषित कर पूरे फर्जीवाड़े को छिपाने की कोशिश की गई है। जहां विक्रेता के नाम फर्जी और क्रेता को जानबूझकर छिपाया जा रहा है।

इनका कहना है....

कोल्डस्टोरेज में किसानो के नाम से जमा महुआ पर किसानो की सूची मांगकर उनका सत्यापन कर कृषक की पहचान की जायेगी। अगर किसानो के नाम पर फर्जी भंडारण किया गया है तो नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में मंडी सचिव से भंडारित महुआ के किसानो और व्यापारियों की सूची मांगी गई है।

सोनिया मीना, कलेक्टर अनूपपुर

वनोपज महुआ की कालाबाजारी व उसके अवैध परिवहन पर अंकुश लगाया जायेगा।

अखिल पटेल, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर

महुआ बीनने को लेकर हुआ विवाद एवं मारपीट, पुलिस ने 2 मामलों में 6 लोगों को किया गिरफ्तार

कोरिया। जिले के जनकपुर थाना अंतर्गत महुआ बीनने के विवाद पर हुई मारपीट और गाली गलौज के बाद पुलिस 2 मामलों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे जांच कर रही है। उपरोक्त पूरे मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी जनकपुर निरीक्षक तेजनाथ सिंह ने बताया कि प्रार्थी विजय कुमार सिंह पिता धूरसेन कंवर उम्र 50 वर्ष बरहोरी थाना जनकपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि राजमणी पिता स्व. रामदास जाति बैगा उम्र 50 वर्ष, बैसाहू पिता रामदास जाति बैगा उम्र 36 वर्ष, पुन्नी बाई पति बैसाहू बैगा उम्र 48 वर्ष, श्रीमति

प्रचिला पति राजमणी उम्र 40 वर्ष निवासी बरहोरी थाना जनकपुर जिला कोरिया ने महुआ बीनने के विवाद पर उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की है। वहीं एक अन्य प्रकरण में प्रार्थी शोभनलाल पिता स्व. सेमलाल उम्र 30 वर्ष निवासी बरहोरी थाना जनकपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रामचन्द्र बैगा पिता राजकुमार बैगा उम्र 25 वर्ष और सुरेश उर्फ चरकू बैगा पिता राजकुमार बैगा उम्र 19 वर्ष निवासी बरहोरी थाना जनकपुर ने महुआ बीनने की बात को लेकर उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की है। प्रार्थियों की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जानकारी तत्काल पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व अनुविभागीय पुलिस अधिकारी मनेन्द्रगढ़ राकेश कुमार कुर्रे को दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश और मार्गदर्शन में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक तेजनाथ सिंह , प्र.आर. नरेश लकड़ा प्र.आर. राजाराम गुलाल साय , भुनेश्वर राजवाडे , रजमान परस्ते , विनोद टोप्पो का सराहनीय योगदान रहा।

जागो और जगाओ यातायात नियम अपनाओ : वरदान फाउंडेशन

कानपुर। वरदान फाउंडेशन द्वारा 2017 से यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज में सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके एवं सड़क दुर्घटना ग्रस्त घायल को समय पर चिकित्सा सुविधा एवं सहायता मिल सके जिसके लिए अलग-अलग जिलों में वालंटियर के माध्यम से संस्था द्वारा यातायात जागरूकता के कार्य किए जा रहे हैं आज संस्थान द्वारा मिडास मल्टी ट्रेड परिवार के सभागार में ऐसे लोगों को सम्मानित किया गया है जो लोग समाज हित में और सड़क में दुर्घटना ग्रस्त घायलों की मदद के लिए आगे आते रहे हैं चाहे वह जागरूकता के माध्यम से हो या मानवीय मदद के लिए। संस्था वरदान फाउंडेशन द्वारा वरदान टोटल हेल्प अवार्ड जोकि मिडास परिवार द्वारा आयोजित किया गया है और निरंतर प्रत्येक शनिवार को कानपुर में इस क्रम को बनाए रखा जाएगा और ऐसे जितने भी समाज सेवी हैं जो समाज हित में कुछ बेहतर कर रहे हैं।

मांग | शिकायत से सम्बंधित समस्त प्रकरण 2 दिवस के भीतर कार्यालय में भेजने का दिया आदेश

कार्यालय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकाश शहडोल ने फर्जी भुगतानों पर लगायी रोक

बिजुरी। नगरपालिका बिजुरी की मुख्य नगरपालिका अधिकारी पर आर्थिक अनियमितता के आरोप लगातार लग रहे हैं। जहां बुधवार को 10 पार्षदों सहित उपाध्यक्ष के द्वारा मिलकर जेम पोर्टल के माध्यम से करोड़ों रुपए की खरीदी मनमाने तौर पर किए जाने एवं भंडार ग्रह में यह सामान उपलब्ध ना होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गयी थी। उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुये संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग शहडोल ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिजुरी को पत्र जारी कर टैंकर, हाई मास्ट लाईट, एल.ई.डी. लाईट, कीटनाशक एवं बाउण्ड्री वॉल निर्माण कार्यों के भुगतान पर रोक लगाते हुये शिकायत से सम्बंधित समस्त प्रकरण 02 को दिवस के भीतर संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन विकाश विभाग शहडोल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

नपा उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने किया था भौतिक जांच की मांग: 6 अप्रैल बुधवार को नगरपालिका उपाध्यक्ष सहित 10 पार्षदों द्वारा संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकाश विभाग शहडोल में उपस्थित होकर शिकायत किया गया था की मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिजुरी द्वारा शासन की अधिकृत जेम पोर्टल के माध्यम से मनमाने तौर पर करोडों के फर्जी खरीदी के आरोप लगाये थे।

कार्यालय संयुक्त संचालक
नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल
Kotma Road, Near Tanki Nala Shahdol
Tel. ....
Email- jdshahdol@mpurban.gov.in
Webside-www.mpurban.gov.in

क्र./1068 /यां.प्र./2022 शहडोल, दिनांक 06/04/22

प्रति,
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् – बिजुरी
जिला – अनूपपुर (म0प्र0)

विषय : – टैंकर, हाई मास्ट, एल.ई.डी लाईट, कीटनाशक दवाए तथा बाउड्री वॉल निर्माण, कार्यो के भुगतान करने के संबंध में।

––00––

उपरोक्त विषय मे लेख है कि उक्त कार्यो के भुगतान पर रोक लगाये जाने हेतू श्री सतीश शर्मा, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगढ़ आज दिनांक 06.04.2022 को कार्यालय में उपस्थित होकर शिकायत प्रस्तुत की है। कि उपरोक्त कार्यो के भुगतान परीक्षण के उपरान्त किये जावे। इसलिए आप उक्त कार्यो के भुगतान करने से पूर्व प्रकरणों का परीक्षण इस कार्यालय से कराना सुनिश्चित करे। एवं उक्त कार्यो की शिकायत से सम्बंधित समस्त प्रकरण इस कार्यालय को 2 दिवस के भीतर भेजना सुनिश्चित करे।

संलग्न– शिकायत आवेदन 3 नग।

6-4-22
(शोभाराम शर्मा)
कार्यपालन यंत्री
नगरीय प्रशासन एवं विकास
शहडोल संभाग शहडोल (म.प्र.)

पृ0क्र./ 1069 /यां.प्र./2022 शहडोल, दिनांक 06/04/22

प्रतिलिपिः–
01– श्रीमान कलेक्टर, जिला, अनूपपुर की ओर सादर सूचनार्थ।
02– श्रीमान संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल म0प्र0 की ओर सादर सूचनार्थ।

6-4-22
कार्यपालन यंत्री
नगरीय प्रशासन एवं विकास
शहडोल संभाग शहडोल (म.प्र.)

170 | Page EE Sir Letter

और मांग किये थे कि उक्त खरीदी समानों का भुगतान परीक्षण पश्चात ही किया जाये।

भृष्टाचार कि चरम सीमा को भी लांघ गयी मुख्य नगरपालिका अधिकारी– नगरपालिका बिजुरी का पदभार मीना कोरी ने जबसे सम्भाला है, उस दिन से नगर के लोग व नगर विकाश के नाम पर कोरे कागजों का हिस्सा मात्र बनकर रह गया है, पूरे मध्यप्रदेश राज्य के शीर्ष 05 आर्थिक समृध्द नगरपालिकाओं में से एक नगरपालिका बिजुरी कि स्थिती मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने इस तरह से बाधित किया है, कि नगर के लोग विकाश के नाम पर मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित होकर रह गये।

सोनल मानसिंह ने सुनाई सती, पार्वती और दुर्गा के रूपों की अद्भुत नाट्य कथा

नई दिल्ली- संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता और पुरस्कार (2018) द्वारा सम्मानित कलाकारों का संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति उत्सव के चौथे दिन एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुई। संगीत नाटक अकादेमी की रत्न सदस्य और राजसभा सांसद सोनल मानसिंह ने मां दुर्गा, सती और पार्वती के रूपों का वर्णन नाट्य कथा के माध्यम से किया। उन्होंने कथा में बताया कि किस तरह सती ने मां पार्वती का रूप लिया और फिर दुर्गा बनकर इस सृष्टि को बचाया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल और राज्यसभा सांसद नरेंद्र जाधव ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। 12 अप्रैल को उत्सव की शुरुआत मेघदूत थिएटर-3 में अपराह्न 3 बजे से ए. एम. परमेश्वरन चाक्यार के कूटियाट्टम प्रस्तुति बालीवधम् से हुई। बता दें कि,केरल का कुटियाट्टम प्राचीन भारतीय संस्कृत रंगमंच की जीवंत परम्परा है जो यूनेस्को द्वारा मानवता के प्रतिनिधि संस्कृति धरोहरों में एक है। चाक्यार परिजनों ने इस अद्भुत, मनमोहक केरल की परंपरा को इसे पीढ़ियों से बचा कर रखा है। पौराणिक व भागवत आख्यानों के प्रसंगों, चरित्रों, दृश्यों एवं भावों-अनुभावों का सटीक व विषद वर्णन कुटियाट्टम प्रस्तुति को रोचक और मनोहारी बनाती है। परमेश्वरन चाक्यार की प्रस्तुति ने दर्शकों को भारत के प्राचीन कला से अवगत कराया।

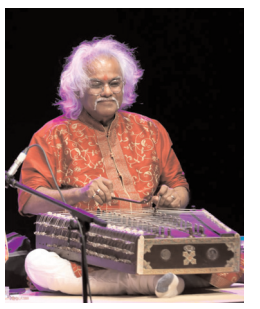

संतूर की ध्वनि से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

इसके बाद कमानी प्रेक्षागृह में संध्या पांच बजे से तरुण भट्टाचार्य ने हिंदुस्तानी वाघ्य संगीत (संतूर) की मधुर ध्वनि ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा ऑडिटोरियम गूंजता रहा।

13 अप्रैल, बुधवार को होने वाले कार्यक्रम
कमानी प्रेक्षागृह सायं 5 बजे
टंकेस्वर हजारिका बरबायन: सत्रिय
मणि प्रसाद: हिंदुस्तानी गायन

भरतनाट्यम नृत्य ने मोहा मन

संगीत की प्रस्तुति के बाद संगीत नाटक अकादमी के रत्न सदस्य तिरुविदैमरुदुर कुपैय्या कल्याणसुंदरम के शिष्य और श्री राजराजेश्वरी भरत नाट्य कला मंदिर, मुम्बई के छात्र-छात्राओं ने भरतनाट्यम की शास्त्रीय प्रस्तुति के साथ राम प्रसंग की धनुरभंग तथा कृष्णार्पण की भावपूर्ण मंच प्रस्तुति दी। बता दें कि, भरतनाट्यम नृत्य शास्त्रीय नृत्य का एक प्रसिद्ध नृत्य है। यह भारत के प्रसिद्ध नृत्यों में से एक है और इसका संबंध दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य से है। सोनल मानसिंह के बेहतरीन प्रस्तुति के बाद मेघदूत थिएटर में शाम 7 बजे नरेंद्र सिंह नेगी ने उत्तराखंड और अर्जुन सिंह धुर्वे ने मध्य प्रदेश के बेंगा जनजाति के गीत एवम नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं।

श्री हनुमान मंदिर खाम्हीडोल में 16 को

हनुमान जन्मोत्सव एवं भंडारे का कार्यक्रम

अनूपपुर। दाण्डी महाराज हनुमान मंदिर बजरंग आश्रम खाम्हीडोल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष 16 अप्रैल 2022 को हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम एवं दोपहर 01.00 बजे से भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।दाण्डी महाराज हनुमान मंदिर खाम्हीडोल ने बताया कि 15 अप्रैल 2022 को सुबह 10.00 बजे से मानस बैठकी आयोजित की जाएगी।इसके पश्चात 16 तारीख को सुबह 10.00 बजे पूर्णाहुति के साथ भजन, कीर्तन, हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा एवं दोपहर 01.00 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है।दाण्डी महाराज ने सभी भक्तजनों से हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील एवं साथ ही भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

नृत्य और संगीत ने जीता लोगों का दिल

नई दिल्ली। संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता और पुरस्कार (2018) द्वारा सम्मानित कलाकारों का संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति उत्सव के तीसरे दिन एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुई। सुबह उत्सव की शुरुआत मेघदूत थिएटर-3 में हेम चंद्र गोस्वामी के असम मुखौटा निर्माण प्रस्तुति से हुई। गोस्वामी ने पहले मुखौटा कला के बारे में दर्शकों को बताया। इसके बाद रामायण में सुग्रीव और बाली के बीच हुए वृतांत को भी मुखौटा कला के द्वारा दर्शाया गया।

कृष्ण की लीलाओं ने जीत लिया दिल

संगीत नाटक अकादेमी अवार्ड से पुरस्कृत सुरुपा सेन ने कृष्ण और राधा के बीच हुए संवाद को ओडिसी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। सुरुपा सेन ने सबसे पहले धीरा समीरे और फिर माईयाम की प्रस्तुति दी।

लोक गीत और नाटक ने मोहा मन

सुरुपा सेन के ओडिसी नृत्य के बाद कमानी थिएटर में अलमेलु मणि ने कर्नाटक गायन से सबका मन मोह लिया। इसके बाद देश के जाने माने सरोद वादक तेजेन्द्र नारायण मजूमदार ने अपनी प्रस्तुति दी। मेघदूत थिएटर 3 शाम 7 बजे से लोक संगीत और नाटक का मंचन हुआ। गुजराती लोक गायक निरंजन राज्यगुरु ने अपने संगीत से दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद जम्मू कश्मीर के भांड पाथेर लोक नाटक का मंचन मोहम्मद सीदीक भगत ने किया।

12 अप्रैल, मंगलवार को होने वाले कार्यक्रम

मेघदूत थिएटर 3 अपराळ 3 बजे
ए. एम. परमेश्वरन चाक्यार कूटियाट्टम प्रस्तुति बालीवध
कमानी प्रेक्षागृह. सायं 5 बजे
तरुण भट्टाचार्य: हिंदुस्तानी वाय संगीत (संतूर) , तिरुविदैमरुदुर कुपैय्या कल्याणसुंदरम भरतनाट्यम, प्रस्तुति श्री राजराजेश्वरी भरत नटव कला मंदिर, मुम्बई
सोनल मानसिंह की प्रस्तुति: देवी-नाट्य कथा
मेघदूत थिएटर- 3, सायं 7 बजे
नरेंद्र सिंह नेगी- लोक संगीत, उत्तराखंड
अर्जुन सिंह धुर्वे- लोक नृत्य, मध्य प्रदेश

सफलता की कहानी: पहली बार मीटर रीडिंग और स्पॉट बिलिंग के काम में उतरी महिलाएं

- **कोरिया जिले में महिला समूह से जुड़ी भारती बनी बिजली बिल वाली दीदी**
- **घर-घर जाकर मीटर रीडिंग कर लोगों तक पहुंचा रही बिजली बिल की सुविधा**

कोरिया। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के संकुल घुटरा के ग्राम बड़काबहरा में जय लक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह है। भारती इसी समूह की सदस्य हैं। पिछले माह मार्च से भारती ने रीडिंग का कार्य प्रारंभ किया है। प्रथम बैच में भारती ने 218 मीटर रीडिंग का कार्य किया है तथा द्वितीय बैच में 200 मीटर रीडिंग का कार्य कर चुकी है। अप्रैल माह के प्रथम बैच में भी भारती ने 270 घरों में रीडिंग और स्पॉट बिलिंग कर लोगों को समय पर उनके बिल की सुविधा उपलब्ध कराई है। रीडिंग और स्पॉट बिलिंग के काम में और ग्रामीण महिलाओं को भी प्रशिक्षण देकर इस आजीविका से जोड़ा जाएगा। जिले में स्पॉट

बिलिंग और मीटर रीडिंग की व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में आवश्यक मानव संसाधन में महिलाओं को भी जोड़ा जा रहा है। जिससे महिलाओं को नई आजीविका का साधन मिल सके और आवश्यक मानव संसाधन की भी पूर्ति हो जाये। बता दें कि कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने अभिनव पहल करते हुए विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान ईई सीएसईबी को ग्रामीण क्षेत्रों में गांव की ही महिलाओं को मीटर रीडिंग के काम से जोड़कर जिले में स्पॉट बिलिंग की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए थे। जिले में 1 लाख 1 हजार 645 उपभोक्ता हैं। हर रीडर को 15 दिन में तीन बैच में रीडिंग करनी होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 7 रुपये प्रति रीडिंग की दर से रीडर को राशि भुगतान किया जाता है। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में 5 रुपये प्रति रीडिंग की दर से राशि मिलती है।

महावीर जयंती के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा निकाली गई

मनेंद्रगढ़। भगवान महावीर जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर जी का जन्मोत्सव का पावन प्रसंग है। महावीर का जन्म वैशाली के समीप कुंड ग्राम में राजा सिद्धांत तथा रानी त्रिशला के घर में बालक के रूप में हुआ। जैन धर्म के लोग महावीर जन्मोत्सव श्रद्धा भक्ति से मनाते हैं। भगवान महावीर ने हमेशा जियो और जीने दो का संदेश दिया, उन्होंने कहा, मनुष्य जन्म से नहीं धर्म से महान होता है। कहा जाता है कि महावीर ने साधना हेतु राजपाट छोड़ दिया था। भगवान महावीर ने कहा था कि अहिंसा परमो धर्म और जीवन में सकारात्मक

दृष्टिकोण अपनाना बहुत ही जरूरी है। महावीर सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे। महावीर ने समानता मुल्क समाज का उपदेश दिया। महावीर स्वामी के जीवन में अहिंसा, करुणा, दया आदि का खास स्थान था। महावीर जयंती के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा प्रातः 9ः00 बजे शांतिनाथ जिनालय से नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए अहिंसा भवन पर पहुंची । शोभा यात्रा का स्वागत विभिन्न स्थानों पर किया गया सिर्फ जैन अनुयाई ही नहीं अन्य धर्मों के लोगों ने भी शोभा यात्रा का स्वागत किया एवं भगवान महावीर स्वामी की मूर्ति की आरती की । इस दौरान समस्त जैन समाज मनेंद्रगढ़ उपस्थित रही।

अमरनाथ सहगल के जनशताब्दी वर्ष पर एनजीएमए उनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है

नई दिल्ली – नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट प्रसिद्ध मूर्तिकार, चित्रकार, कवि और कला शिक्षक अमरनाथ सहगल (1922-2007) के जन्म शताब्दी के अवसर पर अमरनाथ सहगल प्राइवेट कलेक्शन के साथ मिलकर एक प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। जिसमें अमरनाथ सहगल द्वारा बनाई गईं मूर्तियों और चित्रकारी के व्यापक संग्रह को दिखाया जा रहा है और साथ ही अमरनाथ सहगल प्राइवेट कलेक्शन द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ %अमरनाथ सहगल की पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

अमरानाथ सहगल पुस्तक उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं से हम सब को रूबरू करवाएगी। इसमें सहगल के सभी कलाओं का संग्रह है, और साथ ही उन्हें करीब से जानने वाले और उनकी कला का अध्ययन करने वाले लोगों द्वारा उनके बारे में लिखे गए आलेख भी मिलेंगे। इस पुस्तक में भारत का विभाजन, धार्मिक संघर्षों की पीड़ा, लक्ज़मबर्ग, जिसे उन्होंने 24 वर्षों के लिए अपना घर कहा था, स्टूडियो जो उनका आध्यात्मिक आश्रय था और ऐसी सभी घटनाओं का विस्तार से वर्णन और दस्तावेजीकरण किया गया है, जिसने उनके जीवन को बहुत प्रभावित किया था। यह पुस्तक उनके परिवार और उनके करीबियों द्वारा उन्हें याद करने का एक जरिया है। अमरनाथ सहगल आधुनिक मूर्तिकला के क्षेत्र में भारत के अग्रणी नामों में से एक है। एक प्रसिद्ध आधुनिक मूर्तिकार, पेंटिंग और कविता के क्षेत्र में भी उन्होंने अपने काम का लोहा मनवाया। उनके काम को

देश-विदेश के प्रसिद्ध कला प्रर्दशनियों में जगह मिली है। इतना ही नहीं उन्होंने अपनी कला और बेहतरीन काम के लिए भारत के साथ साथ पेरिस, बर्लिन, लक्समबर्ग और म्यूनिक के कला प्रदर्शनी में भी जगह पाई है। इनके काम को पेरिस, जेरुसलम और नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट दिल्ली जैसे नामी म्यूज़ियम में एक विशेष स्थान मिला है। प्राकृतिक आपदाओं, युद्ध और गरीबी के शिकार लोगों के प्रति वे बेहद संवेदनशील थे। सहगल, भारत के विभाजन के दर्द को कभी नहीं भूल पाएं और उन्होंने पीड़ा, उत्पीड़न और दुख के विषयों को अपने कला के जरिए दिखाने का मूलमंत्र बनाया। बता दें कि एनजीएमए 8 अप्रैल 2022 से अमरनाथ सहगल के सभी कार्यों के संग्रह को एक आभासी प्रदर्शनी के जरिए दिखा रहा है, जो संस्थान के वेबसाइट पर उपलब्ध है। नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट के डायरेक्टर जनरल श्री अद्वैत गणनायक ने कहा कि, मुझे खुशी है कि अमरनाथ सहगल के व्यक्तिगत संस्मरणों पर आधारित उन्हें जानने वाले प्रकाशकों द्वारा तैयार किया गया स्मारक खंड 2022 में शुरू किया जा रहा है। भारत के सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक अमरनाथ सहगल को याद करने का इससे बेहतर कोई तरीका नहीं हो सकता।

अमरनाथ सहगल के बारे में महत्वूर्ण जानकारियां

अमरनाथ सहगल भारत के एक प्रसिद्ध मूर्तिकार, चित्रकार, कवि और कला शिक्षक रहे हैं। इनका जन्म 5 फरवरी 1922 को पंजाब के अविभाजित प्रांत कैंपबेलपुर में राम असर मल और परमेश्वरी देवी के घर हुआ था। वह अपने सात भाई बहनों में चौथे थे। अमरनाथ सहगल, मानवाधिकारों के पैरोकार रहे हैं और उन्हें शांति के राजदूत के रूप में जाने जाता है। उन्होंने 6 दशकों तक अपने काम के जरिए दुनिया में बदलाव लाने की कोशिश की है। लाहौड्डर में शिक्षा ग्रहण करने के बाद सहगल 1947 में विभाजन के बाद भारत आ गए। कुल्लू घाटी में दो साल रहने के बाद, वह न्यूयॉर्क चले गए। उन्होंने लाहौर में एक इंजीनियर के रूप में अपना करियर शुरू किया, लेकिन शिल्प कला में रुची होने के कारण बाद में इस क्षेत्र की ओर रुख कर लिया। इसके बाद 1948 में वे न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में कला की शिक्षा ग्रहण की । इसके बाद 1951 में भारत लौटकर, एक कला शिक्षक बन गए। उन्होंने दशकों तक मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिटी डेवेलपमेंट में बतौर सलाहकार काम किया। इसके साथ ही उत्तर भारत के अमूर्त कला को संरक्षित करने के लिए भी बहुत काम किए।

भारत विकास परिषद के शैलेन्द्र गुप्ता अध्यक्ष एवं आनंद पाण्डेय सचिव बने लोगो ने दी शुभकामनाएं

अनूपपुर। दिनांक 12 अप्रैल 2022 को रात 9 बजे भारत विकास परिषद शाखा अनूपपुर की बैठक पीआरटी कालेज जैतहरी रोड़ अनूपपुर में देवेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में वार्षिक चुनाव 2022-23 हेतु चर्चा की गई राजेन्द्र तिवारी द्वारा अध्यक्ष हेतु शैलेन्द्र गुप्ता के नाम की अनुशंसा की गई जिसे मनोज द्विवेदी द्वारा इनके नाम का समर्थन किया गया। इसके बाद बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से एक मत से शैलेंद्र गुप्ता को अध्यक्ष पद के लिए 1 वर्ष के लिए मनोनीत कर दिया गया। शाखा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने आगामी वर्ष हेतु नए अध्यक्ष का स्वागत करते हुए पद का कार्यभार नए अध्यक्ष को सौप दिया सचिव पद हेतु सर्वसम्मति से आनंद पाण्डेय एवं कोषाध्यक्ष अजय पाण्डेय को बनाया गया है। इसके अलावा उपाध्यक्ष सहसचिव एवं अन्य पदों पर भी नियुक्ति की गई है। भारत विकास परिषद में नए पदाधिकारी की नियुक्ति के बाद अनूपपुर शाखा को और भी मजबूती मिलेगी शैलेन्द्र गुप्ता का व्यापारी वर्ग में काफी अच्छी पकड़ होने के कारण शाखा में व्यापारी वर्ग से अच्छे लोगो को परिषद जोड़कर समाज सेवा के क्षेत्र में एक अच्छा कार्य करके नया अध्याय जोड़ने का काम करेंगे। भारत विकास परिषद के सभी पदाधिकारियों को शाखा के सदस्यों अलावा बहुत सारे लोगो ने सभी लोगो ने

शुभकामनाएं दी हैं भारत विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों का प्रचार प्रसार, अखंड भारत के अलावा समस्त भारतीय सर्वांगीण विकास करना है. इस हेतु परिषद सम्पन्न वर्ग को समाज के कार्य के लिए प्रेरित कर सेवा एवं संस्कार द्वारा निर्धन लोगो के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। भारत विकास परिषद एक सेवा एवं संस्कार-उन्मुख अराजनैतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक स्वयंसेवी संस्था है। यह मानव-जीवन के सभी क्षेत्रों (संस्कृति, समाज, शिक्षा, नीति, अध्यात्म, राष्ट्रप्रेम आदि) में भारत के सर्वांगीण विकास के लिये समर्पित है। इसका लक्ष्यवाक्य है ङ्क ÷स्वस्थ, समर्थ, संस्कृत भारत। बैठक में देवेंद्र तिवारी, राजेन्द्र तिवारी, हरिशंकर बर्मा, वीरेंद्र सिंह मधुकर चतुर्वेदी, मनोज द्विवेदी, राजकिशोर तिवारी, अरविंद पाठक, शब्द अधारी राठौर, प्रभा श्रीवास्तव, हर्षिता श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

कलेक्टर के आदेश का नहीं हो रहा पालन जगह-जगह सड़कों पर बिक रही सब्जियां आवागमन हो रहा बाधित

अनूपपुर (ब्यूरो साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने अनूपपुर नगरपालिका क्षेत्र के फुटकर सब्जी मण्डी दुकानों को मार्ग से हटाकर मण्डी समिति द्वारा बनाए गए चबूतरे में शिफ्ट करने के संबंध में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देश की समीक्षा की, जिस पर नगरपालिका व मण्डी के अधिकारियों ने बताया कि सब्जी मण्डी क्षेत्र में बने चबूतरों में सड़कों पर लगने वाले फुटकर सब्जी दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा, जिससे राहगीरों को मार्ग में किसी तरह का व्यवधान न हो और साफ-सफाई भी बनी रहे।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने नगरपालिका एवं मण्डी के इस कार्य की सराहना की तथा मण्डी एवं नगरपालिका के अधिकारियों को तत्काल ही फुटकर सब्जी मण्डी दुकानों को चबूतरे में शिफ्ट करने के कार्य को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरपालिका को राजस्व वसूली से प्राप्त स्त्रोत से सब्जी मण्डी क्षेत्र की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लेकिन देखा जा रहा है कि आज दिनांक तक सब्जी मंडी जगह-जगह सड़कों पर लग रही है जिससे आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है।लेकिन संबंधित विभाग यातायात विभाग सभी मौन साधे हुए हैं।सड़कों पर अतिक्रमण भी देखा जा सकता है।मेन सड़क का 1 दिन अतिक्रमण हटा फिर सड़कों पर दुकानें आ गई लेकिन नगरपालिका ,राजस्व विभाग एवं यातायात

को इससे कोई लेना-देना नहीं।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आशीष त्रिपाठी ने जिला प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहां है कि प्रशासन की बातें नीचे बैठे अधिकारी नहीं मान रहे हैं। जिसके कारण सब्जी मंडी आज तक व्यवस्थित नहीं हो पाई।

राष्ट्रीय पर्व आढ़त का स्थल भी अतिक्रमण का शिकार: वरिष्ठ कांग्रेसी नेता आशीष त्रिपाठी ने पुरानी जानकारी देते हुए बताया कि आज जहां सब्जी मंडी फुटकर लग रही है वहां विंध्य प्रदेश के महाराजा रीवा ने उसे गंज के रूप में विकसित कर कृषि उपज मंडी संचालित किया था।जिसमें आसपास के व्यापारियों के लिए आढ़त के माध्यम कृषि के फसल आदि का व्यापार कार्य होता था।

अनूपपुर मुख्यालय पटवारी हल्का अनूपपुर एवं सामतपुर था सन 1962 के पूर्व ग्राम पंचायत केवल अनूपपुर हुआ करता था।1962 मे अनूपपुर और सामतपुर ग्राम पंचायत का गठन हुआ जिसके बात ही ग्राम पंचायत सामतपुर के द्वारा कृषि उपज मंडी को महाराजा रीवा के साथ विंध्यप्रदेश के नाम शासन की जो जमीन थी बाजार प्लाट बी जिसमें से 1 एकड़ 68 डिसमिल जमीन कृषि उपज मंडी को दान के रुप में मंडी लगाने हेतु प्रदान की गई थी।जिसका पूरा स्थानांतरण सन 1972 में हुआ।वहीं कृषि उपज मंडी के चारों तरफ एक जरीब लगभग 68 फुट चौड़ाई की जमीन सड़क के लिए भी आरक्षित की गई।उस समय राष्ट्रीय पर्व एवं अन्य सामाजिक राजनीतिक कार्यक्रम के लिए वहीं पर पंचायत के द्वारा झंडा रोहन भी होता था।वर्तमान में अतिक्रमण की चपेट में आने के कारण मात्र 68 डिसमिल जमीन मौके प्रतीत होती है। वही एक जरीब लगभग 68 फुट जमीन जो सड़क के लिए आरक्षित था वह भी आज अतिक्रमण के चपेट में है।

संपादकीय

संत योगी आदित्यनाथ ने सत्ता को जनसेवा का माध्यम बनाकर दिखा दिया

मर्यादा *पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम में अगाध आस्था रखने वाले और समग्र मानव कल्याण के प्रति निष्पक्षता एवं समानता के भाव से समर्पित होकर कार्य करने वाले उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में कुछ लिखना यानी अभिव्यक्त करने की विद्वता एवं अनुभव मुझमें नहीं है। क्योंकि सन्त-महन्त की साधना को समीप से जाने एवं अनुभव किये बिना कुछ भी अभिव्यक्त करना तार्किक रूप से उचित नहीं है। हालांकि मैंने उनको बहुत नजदीक से अनुभव किया एवं वर्षों से आशीर्वाद प्राप्त करता रहा। यदा-कदा कुछ क्षण पश्चिमी उत्तरप्रदेश की सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि पर विस्तारपूर्वक संवाद करने का अलौकिक अवसर भी प्राप्त हुआ। यह अवसर पूर्वी उत्तर प्रदेश स्थित गोरखपुर में अपर जिलाधिकारी-वित्त एवं राजस्व की तैनाती के दौरान भी प्राप्त हुआ। इस सन्दर्भ को मैं अतीत की स्मृतियों से विस्तारपूर्वक अनावृत करना चाहूंगा। लोगों को आपके स्नेही व कल्याणकारी व्यक्तित्व की एक मिशाल का स्मरण कराना चाहूंगा ताकि सबको यह पता चल सके आप कितने स्नेहसिक्त व्यक्तित्व के स्वामी हैं। एक बार की बात है। जब मेरा स्थानान्तरण गोरखपुर से मेरठ के लिए वर्ष 2015 में हुआ तो 18 जून, 2015 को श्री गोरखनाथ मन्दिर से फोन आया कि योगी आदित्यनाथ जी का स्नेह पूर्वक निर्देश है कि आपको मेरठ जाने से पूर्व मठ यानी मन्दिर पर आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सपरिवार बुलाया गया है। उत्सुकता वश मैं मन्दिर से प्राप्त आशीर्वाद से अभिसिंचित स्नेह एवं आमंत्रण को स्वीकार करते हुए परिवार सहित मन्दिर पहुंच गया और सपरिवार उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया। वहां क्या बातें हुई, उसका वर्णन कर मैं उनके आशीर्वाद को भुलाना नहीं चाहता हूँ। निःसन्देह योगी आदित्यनाथ जी एक महान सन्त हैं और संवेदनशील शासकीय व्यक्तित्व के स्वामी भी। हम सब जानते हैं कि सन्त सदैव परहित एवं जनकल्याण के लिये ही मानव के रूप में ईश्वर के प्रतिनिधि के तौर पर समाज हित के लिए सांसारिक माया मोह एवं भौतिक संसार के सुखों के आकर्षण को त्यागकर जनकल्याणार्थ बनने का दृढ़ संकल्प धारण करते हैं। उसी युगीन परम्परा के संत-महन्त परम श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी हैं। कहना न होगा कि महन्त बनना मात्र गेरूआ वस्त्र को धारण करने की प्रक्रिया नहीं है, अपितु अपनी आन्तरिक संरचना के नैसर्गिक आवेग-संवेग को त्यागकर धार्मिक वृत्तियों को धारण कर वैश्विक जगत के कल्याण हेतु आध्यात्मिक जगत एवं समाज और राष्ट्रहित के लिये कार्य करने की युगों-युगों से चली आ रही परम्परा है, जिसे उन्होंने परमार्थ हेतु आत्मसात किया है।*

मोदी के भरोसे आखिर कब तक आगे बढ़ेगी भाजपा? हर चुनाव क्या मोदी ही जितवाएंगे?

उत्तर प्रदेश में कई दशकों बाद लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर बहुत से लोग इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चमत्कार बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रभाव के चलते ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 37 वर्षों बाद किसी पार्टी की लगातार दूसरी बार सरकार बन पाई है। मगर ऐसा सोचने वाले लोग सही तरीके से राजनीति का विश्लेषण नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर जैसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व पंजाब को छोड़कर चारों प्रांतों में भाजपा की सरकार थी। लगातार पांच साल सत्ता में रहने के कारण भाजपा को सत्ता विरोधी लहर से नुकसान होने के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में सभी प्रदेशों में फिर से एक बार सरकार बनाना भाजपा के समक्ष एक बड़ी चुनौती थी।

हाल ही में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव से ही आगे बढ़ रही है। चुनावी नतीजों से पता चलता है कि भाजपा में आज भी किसी भी क्षेत्रीय नेता का कद इतना बड़ा नहीं है कि वह अपने बूते पार्टी को जिता कर भाजपा की सरकार बनवा सके।

उत्तर प्रदेश में कई दशकों बाद लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर बहुत से लोग इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चमत्कार बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रभाव के चलते ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 37 वर्षों बाद किसी पार्टी की लगातार दूसरी बार सरकार बन पाई है। मगर ऐसा सोचने वाले लोग सही तरीके से राजनीति का विश्लेषण नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर जैसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व पंजाब को छोड़कर चारों प्रांतों में भाजपा की सरकार थी। लगातार पांच साल सत्ता में रहने के कारण भाजपा को सत्ता विरोधी लहर से नुकसान होने के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में सभी प्रदेशों में फिर से एक बार सरकार बनाना भाजपा के समक्ष एक बड़ी चुनौती थी।

उत्तर प्रदेश को लेकर तो सभी राजनीतिक समीक्षकों का मानना था कि इस चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर रहेगी। अधिकांश विश्लेषकों व पत्रकारों का भी मानना था कि वहां पर अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनेगी। ऐसा होता दिख भी रहा था क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ ब्राह्मण समाज में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही थी। किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाता भी भाजपा से बहुत नाराज हो रहे थे। किसान आंदोलन का मुख्य केंद्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश होने के कारण नरेश टिकैत जैसे किसान नेता जाटों को लगातार भाजपा के खिलाफ भड़का रहे थे। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी संवैधानिक पद पर होने के उपरान्त भी लगातार भाजपा पर हमलावर हो रहे थे। जिससे भाजपा बचाव की मुद्रा में थी। विरोधी दलों के नेताओं द्वारा योगी पर जातिवाद की राजनीति करने का आरोप लगाने के कारण मुख्यमंत्री की छवि भी खराब हो रही थी। यदि उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में भाजपा की हार हो जाती तो उसका असर आगे कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव व 2024 के लोकसभा चुनाव में भी निश्चित ही पड़ता। परिस्थितियों को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता विरोधी लहर को समाप्त करने के लिए खुद मैदान में उतरे और पूरे चुनाव की कमान अपने हाथ में ले ली। मोदी के साथ गृह मंत्री अमित

■ पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र में भाजपा की सरकार चला रहे हैं। सदस्यता के मामले में भी भाजपा देश की सबसे अधिक सदस्यों वाली पार्टी बन चुकी है।

शाह पूरी तरह से सक्रिय हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां सभी चुनावी राज्यों में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं वहीं अमित शाह ग्राउंड लेवल पर पार्टी को एकजुट करने में लग गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गांव में तो मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने घर-घर जाकर वोट मांगकर पार्टी प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की मेहनत रंग लाने लगी व पार्टी से नाराज मतदाता धीरे-धीरे फिर से भाजपा खेमे में नजर आने लगे थे। चुनावी नतीजे आने पर भाजपा एक बार फिर अपने चारों प्रदेशों में सरकार बनाने में सफल रही। हालांकि उत्तराखंड में भाजपा के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए थे। मगर भाजपा वहां फिर से बहुमत में आ गई। पूर्वोत्तर के मणिपुर जैसे प्रदेश में भी पहली बार भाजपा ने 32 सीटें जीतकर अपने दम पर सरकार बना ली। गोवा में भी पार्टी ने पहली बार सबसे अधिक 20 सीटें जीतीं और आराम से अपनी सरकार बना ली। भाजपा ने चारों ही प्रदेशों में अपने मुख्यमंत्रियों को बरकरार रखा। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के खटीमा से चुनाव हार जाने के बाद भी उन्हीं को मुख्यमंत्री बनाया गया। क्योंकि पार्टी का मानना था कि कम समय में ही मुख्यमंत्री धामी ने पार्टी की गुटबाजी को दूर कर पूरी एकजुटता से चुनाव लड़ा था। जिसके फलस्वरूप लगातार दूसरी बार भाजपा उत्तराखंड में सरकार बनाने में सफल रही। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुष्कर सिंह धामी जैसे युवा चेहरों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में भी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को चुनाव हार जाने के बावजूद दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। हालांकि मौर्य अभी विधान परिषद के सदस्य हैं। मणिपुर में भाजपा को पहली बार पूरा बहुमत दिलाने पर मुख्यमंत्री एन वीरेंद्र सिंह को इनाम स्वरूप दूसरी बार मुख्यमंत्री बनाया गया। वहीं गोवा में भी युवा मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को ही दूसरी बार कमान सौंपी गई। हालांकि अपनी विधानसभा सीट पर प्रमोद सावंत महज 666 वोटों से ही जीत पाए थे। मगर उन्होंने चुनाव के दौरान पूरी मेहनत की थी। जिसका फल उन्हें दूसरी बार मुख्यमंत्री बना कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी लगातार चुनाव दर चुनाव जीतती जा रही है। पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र में भाजपा की सरकार चला रहे हैं। सदस्यता के मामले में भी भाजपा देश की सबसे अधिक सदस्यों वाली पार्टी बन चुकी है। इतना सब कुछ होने के बाद भी भाजपा में आज भी प्रादेशिक क्षत्रपों की कमी है। आज भी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्दगिर्द परिक्रमा करती नजर आ रही है। कोई भी चुनाव हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है जितनी 2014 के लोकसभा चुनाव में की थी। मोदी व शाह के अलावा भाजपा में ऐसे प्रभावशाली नेताओं की कमी है जो जनता में लोकप्रिय हों। कहने को तो भाजपा में बहुत से केंद्रीय मंत्री, प्रदेशों के मुख्यमंत्री व संगठन से जुड़े बड़े नेता हैं। मगर शायद ही कोई ऐसा नेता हो जो इस बात का दावा कर सके कि वह अपने बूते चुनाव जिता सकता है। भारतीय जनता पार्टी में काम करने वाले प्रादेशिक नेताओं को धरातल पर काम करना चाहिए ताकि जनता में उनकी पैठ बने और वो मतदाताओं को आकर्षित कर सकें। भाजपा में आज भी बहुत से हवाई नेता बड़े पदों पर काम कर रहे हैं। पार्टी विद डिफरेंस की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर भी ग्लैमर हावी हो चुका है।

कश्मीरी पंडितों पर हुए जुल्म की तरह ही सामने आना चाहती हैं कई 'फाईल्स'

जब सच से सामना होता है, तब सबकी बोलती बंद हो जाती है। कुछ इसी प्रकार का वातावरण फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर भी हो रहा है। इस फिल्म का एक तरफ विरोध भी हो रहा है, लेकिन जिसने इस दर्द को झेला है, उसने जब इस फिल्म को देखा तो उसकी आंखों के समक्ष गुजरे हुए दर्दनाक पल आते चले गए। जिस हिन्दू ने यह झेला है उसके आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

धर्मनिरपेक्षता का ढोंग करने वाले कथित बुद्धिजीवी वर्ग का जिस प्रकार से नैरेटिव ध्वस्त होता हुआ दिखाई दे रहा है, उससे उनके पेट में मरोड़ उठ रही है। उनका कहना है कि फिल्म का एक ही पक्ष दिखाया गया है, लेकिन कश्मीर घाटी का बड़ा सच यही है कि

केवल हिन्दुओं को ही अपने घर और व्यवसाय से बेदखल किया गया। इसी प्रकार कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि यह सब पाकिस्तान के संरक्षण में कार्य करने वाले आतंकवादियों के संकेत पर ही हो रहा था। जहां तक बॉलीवुड की बात है तो यह सच है कि कई फिल्मों में हिन्दू देवी देवताओं को पत्थर की मूर्ति कहकर संबोधित किया गया है, जबकि ऐसी टिप्पणियां अन्य धर्मों के आराधक पर की जाए तो भूचाल आ जाता है। वास्तविकता यह है कि फिल्मों के माध्यम से भारतीय नागरिकों का ब्रेन वॉश किया गया और हमारा समाज भी उसे इसलिए स्वीकार करता गया, क्योंकि वह सत्य से बहुत दूर जा चुका था। अब जब सच सामने आ रहा है तो सबकी आंखों पर जो परदा चढ़ा था, वह हटने लगा है।

दर्द केवल उन्हीं को हो रहा है, जिन्होंने इस आवरण को चढ़ाने का कार्य किया था। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाईल्स सही मायनों में एक फिल्म ही नहीं, बल्कि एक ऐसा सच है जिसे हिन्दुस्थान ने झेला है। कश्मीरी हिन्दुओं के दर्द पर बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' पर आज देश भर में चर्चा हो रही है। फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री से एक पत्रकार ने पूछा कि वह अगली फिल्म किस मुद्दे पर बनाने की सोच रहे हैं तो उनका जवाब था कि उनकी अगली फिल्म दिल्ली दंगों पर होगी।

पाकिस्तान में समूचे विपक्ष का एकजुट होना इमरान खान के लिए सबसे बड़ा खतरा

पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने भरोसा दिलाया था कि वह संसद के भंग होने के सवाल पर तुरंत फैसला करेगा लेकिन दो दिन के बावजूद उसने इसे मंगलवार तक के लिए टाल दिया है। उसने इसे क्यों टाला होगा? उसने पीपीपी के रवैए की इस मांग को पहले रद्द किया कि इस मामले को अदालत की पूरी बेंच निपटाए। जजों ने पूछा कि पांच जजों की इस बेंच पर आपको भरोसा क्यों नहीं है? जज इतने गुस्से में आ गए कि उन्होंने कहा कि अगर आपको हमारी निष्पक्षता में विश्वास नहीं है तो हम सब इस्तीफा देने को तैयार हैं। अदालत का फैसला क्या होगा, कहना मुश्किल है। हो सकता है कि वह संसद के भंग करने को जायज ठहरा दे और चुनाव के द्वारा नई सरकार बनवाने का समर्थन कर दे। पाकिस्तान के लिए यही भला है। इमरान सरकार और फौज के संबंध काफी कठिन हो गए हैं। ऐसे में उस सरकार का इस्लामाबाद में चलते रहना बड़ा मुश्किल है। इमरान सरकार की दूसरी बड़ी दिक्कत

यह है कि उसके अपने सांसद उससे टूट गए हैं। उन्होंने विपक्षियों से हाथ मिला लिया है। अब वह अल्पमत की सरकार भर रह गई है। उसकी तीसरी मुसीबत यह है कि उसकी सरकार का गठबंधन तो टूटा ही, सारे विपक्षी दल एकजुट हो गए। सबसे बड़ी बात तो यह कि इमरान ने आशाएँ खूब जगाई और सपने खूब दिखाए लेकिन महामारी से निपटने में और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उनके पासे उल्टे पड़ गए। उनकी रूस-यात्रा ने भी पाकिस्तान की फौज को परेशान कर दिया। इन सब

मध्य प्रदेश के 24 जिलों में अमृत सरोवर के चयन का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाए कलेक्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल संरक्षण के लिए बड़े तालाब, चेकडैम और स्टाम डैम निर्माण का कार्य बड़े स्तर पर किया जाना है। इसके लिए सभी कलेक्टरों को सौ-सौ जल संग्रहण संरचनाओं को अमृत सरोवर योजना में चिह्नित करना था, लेकिन 24 कलेक्टर अब तक लक्ष्य हासिल नहीं कर सके हैं। इसमें रायसेन भी शामिल है, जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को जलाभिषेक अभियान का शुभारंभ करेंगे। सरकार ने जल संरक्षण करके सिंचाई, मत्स्य पालन, सिंघाड़ा उत्पादन सहित अन्य गतिविधियों के लिए प्रत्येक जिले में न्यूनतम सौ जल संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य तय किया है। इनके लिए बजट की कोई कमी नहीं है, क्योंकि निर्माण कार्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) सहित अन्य शासकीय योजनाओं के माध्यम से कराए जाएंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुरैना और जबलपुर जिले ने सरोवर चयन में सबसे अच्छा काम किया है। दोनों जिलों में योजना के तहत 237- 237 कार्य चिह्नित किए गए हैं। इन संरचनाओं से ग्रामीणों को जोड़ने के लिए जल उपयोगकर्ता समूह भी गठित किए जाएंगे। प्रदेश में अभी तक अमृत सरोवर के लिए पांच हजार 187 कार्य चिह्नित हो चुके हैं। जिन जिलों में लक्ष्य की पूर्ति नहीं हुई है, उनके कलेक्टरों को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जल सरंक्षण के कामों को प्राथमिकता में लें।

आज होगी जल चौपाल

अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह रायसेन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में करेंगे। इसका सीधा प्रसारण सभी जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों में किया जाएगा। ग्राम पंचायतों में जल चौपाल लगेगी। इसमें अभियान के दौरान होने वाले कामों का प्रस्तुतीकरण होगा। जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन की शपथ दिलाई जाएगी और नए कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। पहला चरण जून 2022 और दूसरा मार्च 2023 तक चलेगा।

कार्य चिह्नित करने में भोपाल पिछड़ा

अभियान के तहत चेक डैम, स्टाप डैम, खेत तालाब, पौधारोपण सहित अन्य कार्य होंगे। इसके चयन में भोपाल जिला पिछड़ गया है। यहां अब तक 399 कार्य ही चिह्नित किए गए हैं। नर्मदापुरम (होशंगाबाद), बालाघाट, उज्जैन और सागर भी अंतिम पांच जिलों में शामिल हैं। वहीं, अभियान के तहत काम चिह्नित करने में शिवपुरी (18 हजार 901), छतरपुर (15 हजार 197), अनूपपुर (आठ हजार 184), श्योपुर (आठ हजार 767) और बुरहानपुर (छह हजार 488) जिले आगे हैं।

किसान मोर्चा के सम्मेलन में केंद्र की नीतियों को सराहा

बरेली। राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा देश भर के जिलों में शनिवार को किसान सम्मेलनों का आयोजन किया गया। केंद्र सरकार द्वारा विगत सात वर्षों में किसानों के हित में लिए गए फैसलों व योजनाओं के बारे में इन किसान सम्मेलन में वक्ताओं द्वारा किसानों को बताया गया। मध्यप्रदेश में भी निरंतर प्रवास करने वाले किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष दर्शन चौधरी ने चार जिलों में किसान सम्मेलनों में शिरकत की। रायसेन जिला का किसान सम्मेलन ग्राम धाधला में सम्पन्ना हुआ। प्रदेशाध्यक्ष ने मोदी सरकार की तारीफ करते हुए विभिन्ना योजनाओं का बखान किया। फसल बीमा में परिवर्तन किसान सामान निधि, विद्युत प्रदाय, नहरों के विस्तारीकरण, किसान रेल, देश की उपज का निर्यात बढ़ना ऐसी तमाम योजनाओं का बखान करते हुए आगामी चुनावों के लिए कमर कस के भाजपा के पक्ष में मतदान हो। ऐसा अपने अपने गावों में वातावरण बनाने का आग्रह किया। शिवराज सरकार के 17 वर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि देश भर में किसान के लिए सबसे बेहतर काम करने का रिकॉर्ड मुख्यमंत्री ने बनाया है। नजदीक के मुख्यमंत्री को बना रहने का आशीर्वाद आपका वोट होता है। इसलिए आपसे आग्रह है कि आगामी समय में वोट स्वरूप आशीर्वाद भाजपा को शिवराज को मिले। पूर्व विधायक रामकिशन पटैल ने अपने कार्यकाल में किए विकास कार्यों का पर बोलते हुए कहा कि इस गांव को तीन तरफ से सड़कों से जोड़ने का काम उनके कार्यकाल में किया गया। गांव वालों ने बताया कि तीन नहीं, बल्कि पांच तरफ से आपके कार्यकाल में ग्राम दूसरे गांवों से जुड़ा। कार्यक्रम का संचालन चंद्रभान ठाकुर ने किया। जिला महामंत्री सुनील ठाकुर ने कार्यक्रम का संयोजन किया। राहुल पटेल प्रदेश सह सोशल मीडिया प्रभारी ने सरकार की नीतियों के बारे में बताया। अतिथियों में श्रवण पटेल, नन्हेंवीर ठाकुर, मोरब सिंह ठाकुर, राजेन्द्र ठाकुर ओमप्रकाश मीणा, प्रयागराज रघुवंशी, संतोष धाकड़ एवं आस पास के क्षेत्र के सैकड़ों किसान कार्यक्रम में उपस्थिति हुए।

जयकारों के बीच हुई देवी- देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा

गैरतगंज। नगर के खेडापति माता मंदिर में रविवार को देवी- देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस मौके पर भगवती जगदम्बा सहित विभिन्ना देवी देवताओं की वैदिक मंत्रोच्चारों तथा जयकारों के बीच प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके साथ ही महायज्ञ का समापन भी हुआ। स्थापना के समय श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा एवं पूजा अर्चना कर धर्म लाभ लिया। नगर के खेडापति माता मंदिर पर माता मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में विगत 2 अप्रैल से देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन प्रांरम्भ हुआ था। रविवार को नियत तिथि पर भगवानो की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस मौके पर पुजारी और पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार कर जगत कल्याण की कामना के साथ नवीन भव्य बने मंन्दिर में देवी देवताओं को विराजमान कराया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी जो धार्मिक भजन पूरे समय गाती रही। वही युवा वर्ग माता के जयकारे लगाते हुए एवं नृत्य करते कार्यक्रम मे शामिल रहा। आयोजन के समय पूरे मन्दिर परिसर में धर्ममय माहौल दिखाई दिया। इस कार्यक्रम में हजारों लोगो ने उपस्थित रहकर धर्मलाभ लिया।

उमा भारती रायसेन किले पहुंची, शिव मंदिर में जलाभिषेक करेंगी

रायसेन। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती रायसेन किला के शिव मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए रायसेन पहुंच गई है। चूंकि मुद्दा गर्भगृह का ताला खुलवाने है इसलिए प्रशासन की सांसें फूल हुई हैं कि सुश्री भारती यदि गर्भगृह में प्रवेश करके शिवलिंग का जलाभिषेक करना चाहेंगी तो व्यवस्था करना मुश्किल होगी। इसलिए कलेक्टर अरविंद कुमार दुबे ने सुश्री भारती को पत्र लिखकर वस्तु स्थिति से अवगत करा दिया है। इस विषय में जिला प्रशासन ने पूर्व मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि रायसेन का किला एवं उसमें स्थित शिव मंदिर केन्द्रीय पुरातत्व विभाग भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है। मंदिर का गर्भगृह केन्द्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा सिर्फ महाशिवरात्रि पर खोला जाता है। शेष दिनों में यह बंद रहता है। रोजाना निर्धारित समय में दर्शक, पर्यटक दरवाजे के बाहर से शिवलिंग एवं अन्य पुरातात्विक महत्व की संरचनाओं का अवलोकन कर सकते हैं। जिला प्रशासन एवं राज्य शासन द्वारा शिव मंदिर के गर्भगृह को खोलने का निर्णय नहीं लिया जा सकता है। जिला प्रशासन ने पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री भारती के 11 अप्रैल के प्रवास हेतु केन्द्रीय पुरातत्व विभाग को अवगत कराया है। केन्द्रीय पुरातत्व विभाग यदि अनुमति दे देता है तो जिला प्रशासन तत्काल सुश्री भारती को अवगत कराएगा। अभी की स्थिति में जिला प्रशासन का प्रयास है कि 11 अप्रैल से पहले कोई उत्तर केन्द्रीय पुरातत्व से प्राप्त हो। इन तथ्यों से जिला प्रशासन द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री भारती को अवगत कराया गया है।

थिएटर के बाद अब ओटीटी पर आएगी पुनीत राजकुमार की आखिरी फिल्म 'जेम्स'

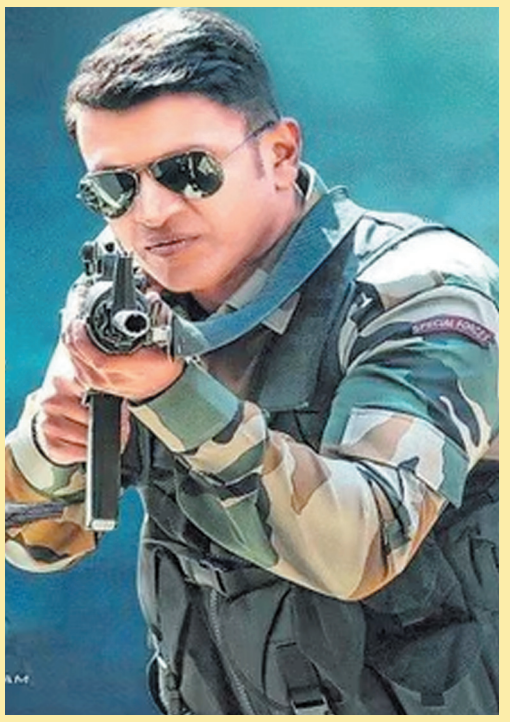

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार पुनीत राजकुमार ने अक्टूबर 2021 में अचानक इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनके निधन की खबर से हर कोई स्तब्ध था। उनके जन्मदिन (17 मार्च) के मौके पर रिलीज हुई उनकी आखिरी फिल्म जेम्स ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। वहीं, अब जेम्स जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली है। इस खबर से फैंस काफी खुश हैं। सोनी लिव इंडिया की ओर से इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी गई है। इसमें लिखा है कि जलवा हो तो जेम्स जैसा हो। साउथ का अनोखा सुपरस्टार पुनीत राजकुमार आ रहा है अपना जलवा दिखाने 14 अप्रैल को सिर्फ सोनी लिव पर। ऐसे में लोग अब घर बैठे ही इस फिल्म का लुत्फ उठा पाएंगे। इस फिल्म में पुनीत राजकुमार ने कमांडो की भूमिका निभाई है। फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। वहीं, इन्हीं भाषाओं में फिल्म सोनी लिव पर 14 अप्रैल से स्ट्रीम होगी। इस फिल्म में पुनीत राजकुमार के अलावा अनु प्रभाकर, श्रीकांत, आर सरथकुमार, तिलक शेकर और मुकेश ऋषि मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आपको बता दें कि पुनीत राजकुमार का निधन 29 अक्टूबर 2021 को हार्ट अटैक की वजह से हुआ था। उस वक्त वह 46 साल के थे। उनके निधन से परिवार, फैंस और फिल्म इंडस्ट्री को गहरा सदमा लगा था। उनके परिवार में पत्नी अश्विनी पुनीत कुमार और दो बेटियां हैं।

आलिया भट्ट के साथ दहेज में जा रही हैं राखी सावंत !

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। हालांकि अभी तक दोनों ने शादी की खबरों को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन ये खबर बी-टाउन में जंगल में आग की तरह फैल चुकी है।

शादी के वेन्यू से लेकर आलिया की ड्रेस तक, प्री वेडिंग फंक्शन से लेकर रिसेप्शन के होटल तक सब कुछ डिसाइड हो चुका है। हाल ही में कृष्णा राज बंगले की सजावट वाली वीडियो सामने आने के बाद ये तो तय हो चुका है कि शादी की तारीख नजदीक आ गई है। इन सबके बीच सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में राखी सावंत ने रणबीर और आलिया की शादी पर खुशी जताई और कहा कि वो भी आलिया के साथ दहेज के रूप में बैग में बैठकर जा रही हैं। राखी ने कहा- आलिया के लिए ये साल कितना अच्छा है...गंगूबाई काठियावाड़ी और आरआरआर सुपरहिट हो गई...और अब वो शादी कर रही है...हॉलीवुड जा रही है...और दहेज में मैं भी जा रही हूं, बैग में बैठ जाऊंगी। राखी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। तैयारियों के बीच एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें आरके हाउस को कुछ लोग दुल्हन की तरह सजा रहे हैं। इस वीडियो को देखने के बाद रणबीर और आलिया के फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। तीन से चार दिन तक चलने वाले प्री वेडिंग फंक्शन के बाद यह जोड़ा 13 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधेगा। रणबीर और आलिया चार साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो पहली बार रणबीर और आलिया एकसाथ अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाले हैं।

शादी में इस रंग का लहंगा पहनेंगी

आलिया भट्ट

बॉलीवुड के सबसे क्यूट कपल रणबीर और आलिया की शादी की सारी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शादी से पहले कृष्णा राज बंगले को भी दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। इसी बीच रविवार को शादी से पहले आलिया को उनके जुहू वाले घर के बाहर स्पॉट किया जा चुका है। रणबीर के वास्तु वाले घर को शादी के लिए पूरी तरह से सजाया जा रहा है। शादी के फंक्शन वहीं होने वाले हैं। इसके अलावा दोनों ने अपने ग्रैंड रिसेप्शन के लिए मुंबई के होटल ताज का भी चुनाव कर लिया है। अब बारी आती है शादी की थीम की। खबरों के मुताबिक शादी की थीम को लेकर भी एक रिपोर्ट सामने आ रही है।

इस रंग का होगा आलिया का लहंगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक अदाकारा ने अपनी शादी का जोड़ा सब्यसाची मुखर्जी और मनीष मल्होत्रा से डिजाइन करवाया है। सब्यसाची ने आलिया का लहंगा डिजाइन किया है, जबकि मनीष मल्होत्रा ने चुनरी तैयार की है। आलिया की शादी की थीम पेस्टल रंग की होने वाली है, इसलिए उनकी शादी का जोड़ा भी पेस्टल कलर का ही होगा। रणबीर का परिवार तो शादी से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं कर रहा है, लेकिन आलिया के परिवार की तरफ से शादी की तारीख की घोषणा कर दी गई है।

केसरिया का टीजर रिलीज

फिलहाल रणबीर और आलिया शादी से पहले अपनी शूटिंग खत्म करने में लगे हुए हैं। रणबीर कपूर को भी श्रद्धा कपूर के साथ गाने की शूटिंग करते हुए देखा जा चुका है। रणबीर और आलिया जल्दी ही एकसाथ अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाले हैं। आज फिल्म का एक नया पोस्टर और %केसरिया% का टीजर भी रिलीज किया जा चुका है

इस दिन होगी शादी

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों की शादी को लेकर फैंस काफी खुश और उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो 14 से 17 अप्रैल तक दोनों की शादी के फंक्शन होने हैं।

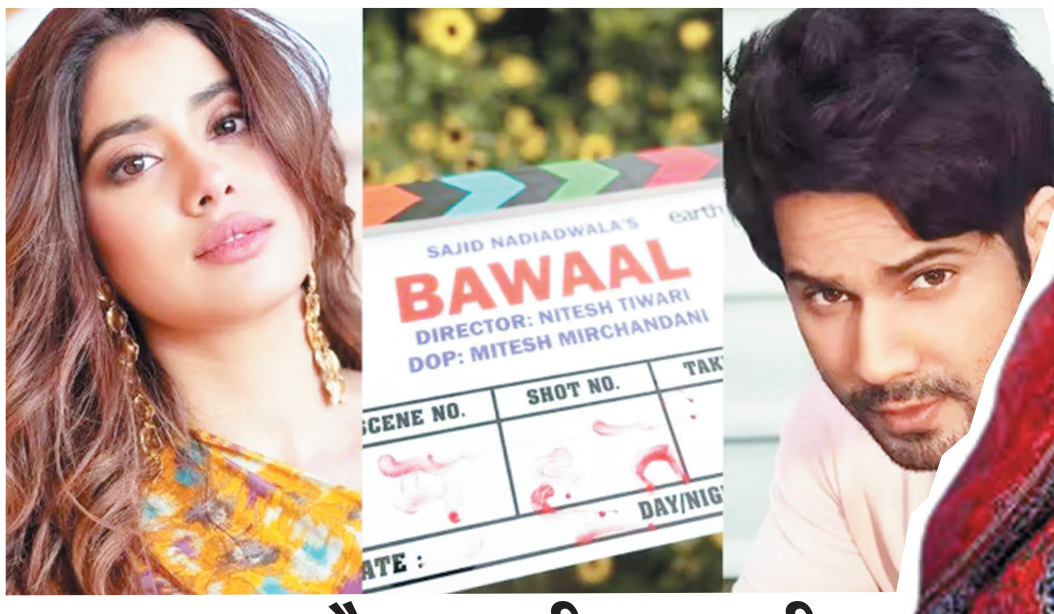

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की फिल्म 'बवाल' की शूटिंग हुई शुरू

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन पहली बार बड़े पर्दे पर जान्हवी कपूर के साथ दिखाई देंगे। दोनों साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'बवाल' में एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग भी लखनऊ में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीत चुके नितिश तिवारी कर रहे हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग शूरू होने की जानकारी दी है। उन्होंने फिल्म के क्लिपबोर्ड का फोटो शेयर किया है, जिस पर शुभ मुहूर्त लिखा हुआ है। फिल्म की शूटिंग 10 अप्रैल को लखनऊ में शुरू हो गई है। कुछ समय पहले ही वरुण धवन ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान भी कर दिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर जानकारी दी थी कि फिल्म अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म में जान्हवी और वरुण के किरदारों की लव स्टोरी देखने को मिलेगी। फिल्म को लेकर फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं।

शेयर बाजार की धीमी शुरुआत

सेंसेक्स 200 अंक टूटकर खुला, निफ्टी भी लाल निशान पर

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 203 अंक या 0.34 फीसदी टूटकर 59,244 पर खुला। जबकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी सूचकांक ने 46 अंक या 0.26 फीसदी गिरावट के साथ 17,738 पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के साथ ही लगभग 1730 शेयरों में तेजी आई, 584 शेयरों में गिरावट आई और 141 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस बीच निफ्टी पर इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी प्रमुख गिरावट वाले शेयरों में शामिल थे, वहीं टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, सिप्ला और एनटीपीसी प्रमुख लाभ में खुले। गौरतलब है कि इससे पहले बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक की दो दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के परिणामों की घोषणा कर दी गई थी। जिसके बाद शेयर बाजार में जोरदार उछाल आया था। सेंसेक्स 412 अंक उछलकर 59,447 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 145 अंक की तेजी के साथ 17,784 के स्तर पर बंद हुआ था।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों की तरफ से आज चौथे दिन भी पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये व डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 115.12 रुपये जबकि डीजल का दाम 99.83 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 110.85 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 100.94 रुपये प्रति लीटर है। बता दें कि पिछले वर्ष 4 नवंबर के बाद से इन दोनों ईंधन के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। सरकार के राजनीतिक विरोधियों का आरोप था कि पांच राज्यों के चुनाव के कारण मोदी सरकार ने तेल कंपनियों को मूल्य बढ़ाने से रोक रखा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 112 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद रविवार को तेल कंपनियों ने डीजल के थोक खरीदारों के लिए मूल्य में 25 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। तेल डीलरों का कहना है कि खुदरा मूल्य में धीरे-धीरे वृद्धि की जाएगी।

जानें प्रमुख महानगरों में कितनी है कीमत

आज दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं।

शहर	डीजल	पेट्रोल
दिल्ली	96.67	105.41
मुंबई	104.77	120.51
कोलकाता	99.83	115.12
चेन्नई	100.94	110.85

(पेट्रोल-डीजल की कीमत रुपये प्रति लीटर में है।)

इन राज्यों में 100 रुपये के पार पेट्रोल का भाव

बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये चल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत सबसे अधिक है।

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको क्स्क्क और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

निवेश: गाढ़ी कमाई को सोच समझकर करें निवेश, जहां सुरक्षा के साथ मिले ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में आपने शारधा घोटाला और पीएसीएल जैसी तमाम कंपनियों के नाम सुने होंगे जो रातों-रात आती हैं और दोगुना करने या ज्यादा ब्याज का लालत देकर पैसे वसूलती हैं। कुछ दिन तक कंपनियां निवेशकों को पैसा तो देती हैं, पर जब यह ज्यादा पैसा जुटा लेती हैं तो फिर रातों-रात फरार हो जाती हैं। इनसे बचने के साथ?सुरक्षित निवेश के लिए?आप फिक्स्ड डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड, किसान विकास पत्र या फिर अन्य सरकारी साधनों में निवेश कर सकते हैं, जहां बेहतर रिटर्न मिलता है।?

कितना रिटर्न ठीक होता है?

निवेश पर रिटर्न को महंगाई के हिसाब से देखना चाहिए। आज महंगाई दर 6त्न है। इसलिए उन योजनाओं में निवेश करें, जहां से सालाना 10 फीसदी रिटर्न मिल सके। 6 फीसदी का रिटर्न तो आपको महंगाई से पीछा छुड़ाने के लिए चाहिए और फिर कम से कम 4 फीसदी रकम आपके पास बचनी चाहिए। कभी भी ब्याज की दर महंगाई से 4 फीसदी ज्यादा होनी चाहिए। इसके लिए किसी एक योजना के बदले कई साधनों में निवेश करना

चाहिए।? यह पुराने जमाने से निवेश का पसंदीदा साधन है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां पर पैसा की सुरक्षा सबसे ज्यादा होती है। हालांकि, इसमें ब्याज दर सबसे कम है। इससे लोगों में एफडी का आकर्षण कम हो रहा है। इसके बावजूद बैंको का डिपॉजिट इस समय 160 लाख करोड़ रुपये के करीब है। हालांकि, लोगों में एफडी के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए?सरकार पांच साल के फिक्स्ड डिपॉजिट पर टैक्स में छूट दे रही है।?

एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी पिछले कुछ वर्षों से चर्चा में है। इसमें निवेशकों को 12-14 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है। कुछ ने तो 50 फीसदी तक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड का एक फायदा यह भी है कि यहां आपको चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है। यानी आपने 10 रुपये का निवेश किया और वह एक साल मे 11 रुपये हो गया तो फिर दूसरे साल 11 रुपये पर रिटर्न मिलता है। आंकड़ों के मुताबिक, लोगों ने एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में सात माह में 10 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश किया है।?

एनसीडी: देश की प्रमुख कंपनियां जैसे टाटा, बिड़ला या अन्य कंपनियां नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) लेकर आती हैं। इस पर तय ब्याज देती हैं, जो अमूमन 8-9 फीसदी होता है। लेकिन इसमें भी यह देखना जरूरी है कि कौन सी कंपनी सही है और किसका ब्याज देने का रिकॉर्ड अच्छा है।

शेयर बाजार: अगर आपको शेयर बाजार की जानकारी और थोड़ा जोखिम लेना चाहते हैं तो बेहतर मुनाफा कम सकते हैं। हालांकि कई?बार आंकलन गलत हो सकता है और इससे आपको घाटा भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में आपके पास विकल्प है कि इक्विटी म्यूचुअल फंड खरीदें जहां पर आपको ठीक-ठाक रिटर्न मिलेगा। यह कंपनियां आपके पैसों को सीधे शेयर में ही निवेश करती हैं और मामूली कमीशन लेती हैं।

इंश्योरेंस: आपकी कार की सुरक्षा के लिए काम की चीज है जीरो-डेप कवर

नई दिल्ली। नई कार खरीदने पर कंपनी की ओर से एक साल तक के लिए इंश्योरेंस मिलता है। एक साल बाद जब आप कार इंश्योरेंस रिन्यू कराते हैं तो उसके साथ जीरो डेप्रिसिएशन कवर जरूर लें। यह न सिर्फ आपको दुर्घटना की स्थिति में थर्ड पार्टी लायबिलिटी से बचाता है बल्कि बाढ़, ओलावृष्टि, तूफान, भूकंप व चट्टा खिसकने जैसी प्राकृतिक आपदाओं से कार को होने वाले नुकसान की भी भरपाई करता है। दंगों और अन्य मानव निर्मित आपदाओं से हुए नुकसान को भी कवर करता है। आजकल वाहन बीमा करने वाली कंपनियां कार इंश्योरेंस खरीदते समय जीरो-डेप्रिसिएशन कवर जरूर देती हैं।

ऐसे समझें गणित

मान लीजिए, दुर्घटना में आपकी कार में लगे फाइबर ग्लास के पार्ट्स खराब (डैमेज) हो जाते हैं, जिन्हें बदलने का खर्च 20,000 रुपये आता है। सामान्य कार इंश्योरेंस होने पर बीमा कंपनी केवल 14,000 रुपये का ही भुगतान करेगी। बाकी 6,000 रुपये आपको अपनी जेब से भरने पड़ेंगे। वहीं, जीरो डेप्रिसिएशन कवर होने पर बीमा कंपनी पार्ट्स

बदलने का पूरा खर्च उठाएगी।

क्या होता है जीरो डेप्रिसिएशन

पुरानी होने के साथ कार की आईडीवी (इंश्योर्ड डिक्लीयर्ड वैल्यू) यानी बाजार कीमत घटती जाती है। जीरो डेप्रिसिएशन कवर नहीं लेने पर नए पार्ट्स लगाने का पूरा खर्च बीमा कंपनी नहीं उठाती हैं। कुछ रकम का भुगतान आपको ही करना पड़ता है। इसके उलट, जीरो डेप्रिसिएशन कवर लेने पर अगर आपकी कार को किसी हादसे में नुकसान पहुंचता है तो इंश्योरेंस कंपनी दावे की सारी रकम का भुगतान करती है। जीरो डेप्रिसिएशन कवर अधिकतम 5-7 साल पुरानी कारों के लिए होता है। अगर आप दुर्घटना संभावित क्षेत्र में रहते हैं तो आपको जीरो डेप्रिसिएशन कवर लेना चाहिए।

ई-वाहन: खुदरा बिक्री में तीन गुना से ज्यादा बढ़ोतरी, दोपहिया वाहनों का सबसे ज्यादा योगदान

नई दिल्ली। देश में ई-वाहनों की खुदरा बिक्री 2021-22 में तीन गुना से ज्यादा बढ़कर चार लाख इकाई के पार पहुंच गई। कुल बिक्री में दोपहिया वाहनों का सबसे ज्यादा योगदान रहा। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल 4,29,217 ई-वाहन बिके। 2020-21 में 1,34,821 ई-वाहन बिके थे।? आंकड़ों के मुताबिक, 2019-20 के दौरान देश में 1,68,300 ई-वाहन बिके थे। 2021-22 के दौरान इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन गुना तेजी के साथ 17,802 इकाई पर पहुंच

गई।?2020-21 में यह आंकड़ा 4,984 इकाई रहा था। कुल बिक्री में टाटा मोटर्स की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही। कंपनी ने 15,198 ई-वाहन बेचे। इस दौरान उसकी बाजार हिस्सेदारी 85.37 फीसदी रही। 1,115 ई-वाहनों की बिक्री के साथ एमजी मोटर दूसरे, महिंद्रा 156 के साथ तीसरे व ह्यूंडई मोटर 128 इकाई के साथ?चौथे स्थान पर रही। ई-दोपहिया वाहनों की बिक्री 5 गुना बढ़कर 2,31,338 इकाई पहुंच गई। 2020-21 में 41,046 ई-दोपहिया वाहन बिके थे। सेगमेंट में हीरो इलेक्ट्रिक 65,303 इकाई की बिक्री के साथ शीर्ष पर रही।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)